UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 3 महादानम् (अनिवार्य संस्कृत)

सुधा- दीपकः ..... मया ज्ञातम्।

हिन्दी अनुवाद – सुधा-दीपक! यहाँ क्या होता है?
दीपक – सुधा! यहाँ लोग रक्तदान और नेत्रदान करते है।

सुधा – दीपक, रक्तनिर्माण तो बहुत परिश्रम से होता है, फिर भी लोग कैसे रक्तदान करते हैं? क्या रक्तदान से शरीर में खून की कमी नहीं होती है?
दीपक – सुधा, खून की कमी का कारण तो अन्य होता है। अस्वस्थ लोग रक्तदान नहीं करते। जब कोई स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान करता है तब उसके शरीर में शीघ्र ही रक्त निर्माण होता है।

सुधा – एक अन्य शंका भी है जैसे जब रक्तदान में चिकित्सक लोग रक्तदान को उत्सुक लोगों में से केवल सामान्य रक्तवर्ग परीक्षण करके शीघ्र ही सूई-यन्त्र से रक्त निकालते हैं, तब क्या उसी तरह नेत्रदान में भी नेत्र निकालते हैं?
दीपक – नहीं, नहीं, नेत्रदान में तो नेत्रदान के लिए उत्सुक लोगों को शिविर में पंजीकरण होता है। जब नेत्रदान के लिए उत्सुक लोगों का मरण होता है तो परिवार के लोग संस्थान में सूचना देते हैं। बहुत आदर और सम्मानपूर्वक नेत्रों का निस्सारण करते हैं।

सुधा – क्या मरने के बाद भी नेत्र जीवित रहते हैं?
दीपक – हाँ! कुछ काल तो जीवित रहते हैं। चिकित्सक लोग सूचना पाकर नेत्र निकालते हैं।

सुधा – आज मैं बहुत प्रसन्न हूँ। जीवन के संदर्भ में अध्यापक लोग बहुत उपदेश देते हैं किन्तु मृत्यु के बाद भी कई लोग अपने अंग से समाज का उपकार करने में सक्षम होते है, ऐसा मैंने अब जाना है।

https://www.evidyarthi.in/